भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2077 ● मासिक पत्र : जनवरी 2021 ● पृष्ठ : 8 ● दिल्ली

आपदा राहत समिति 'भिवानी परिवार मैत्री संघ'

दिल्ली की प्रमुख संस्था 'भिवानी परिवार मैत्री संघ' अपनी स्थापना से ही समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों से सक्रिय रूप में सदैव तत्पर रही है। भिवानी के लोगों में धार्मिक और सेवा भाव की प्रवृति सहज ही रही है। संस्था ने देश के सम्मुख विभिन्न आपदा के समय अपना यथोचित योगदान दिया है। चाहे उत्तराखंड की त्रासदी हो, कश्मीर की बाढ़ हो, केरल की आपदा हो-भिवानी परिवार मैत्री संघ ने अपना सामाजिक कर्तव्य बखूबी से निभाया है जिसमें समाज के प्रबुद्ध जनों का निरंतर सहयोग मिलता रहा है । मार्च 2020 में पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से प्रभावित क्षेत्रों में संस्था की ओर से भरपूर सहयोग किया गया। दंगा शिकार परिवार, विस्थापित परिवारों हेतु भोजन, वस्त्र सामग्री, पुस्तक सामग्री की व्यवस्था संस्था की ओर से की गई । जिसे उस क्षेत्र में भरपूर सराहना मिली और जरूरतमंद तक उसके दु:खों को कुछ कम करने का काम हुआ । आज कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय में भी भिवानी परिवार मैत्री संघ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संस्था सेवा भारती के साथ मिलकर सेवा कार्य में संलग्न रही ।Covid-19 के समय में समिति द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में (नांगलोई, नजफगढ़, पुरानी दिल्ली, भिवानी एवं अन्य क्षेत्रों में) कार्यरत संस्थाओं के माध्यम से भोजन व्यवस्था, सूखा राशन व्यवस्था, PPE किट एवं अन्य जरूरी सामान की भरपूर उपलब्धता सुनिश्चित की गई । ऐसे समय में जबकि लॉकडाउन चल रहा था और कहीं जाने और किसी से मिलने का भय हर किसी को था, ऐसे समय में समिति द्वारा अत्यंत संवेदनशील प्रयास किये गए और इस महामारी से लड़ाई में एक बड़ी आहुति संस्था की ओर से दी गई। इस कार्य को करने में संस्था के सदस्यों का और कुछ अन्य सदस्यों का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

संपर्क : श्री दिनेश गुप्ता : 9810003215

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

श्री जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

श्रीमती सुनीता शर्मा व श्री मनीष गोयल

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक,
उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

श्री प्रमोद गुप्ता

आइये मिलते हैं अंडरगारमेंट्स की दुनिया मे सर्वाधिक लोकप्रिय कंपनी डॉलर ग्रुप (कोलकाता, त्रिपुर, दिल्ली, लुधियाना) के श्री प्रमोद गुप्ता जी से। आपका जन्म 15 जुलाई 1961 को श्री बालू राम पंसारी और श्रीमती सरबती देवी के परिवार में भिवानी जिला के गांव मानहेरू में हुआ ।

श्री दीन दयाल गुप्ता, श्री महेंद्र गुप्ता और श्री रमेश गुप्ता चार भाइयों में प्रमोद जी सबसे छोटे हैं। स्कूल शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से पूरी करके आपने गवर्मेंट कॉलेज भिवानी से स्नातक की पढ़ाई की।

1985 में श्रीमती सरोज गुप्ता से विवाह करके दो होनहार बेटियां और एक पुत्र प्रवीण गुप्तासुयोग्य संतान हैं।

पढ़ाई के बाद आपने 1982 से 1995 तक अपने गांव में पुश्तैनी दुकान का कुशलता पूर्वक संचालन किया। 1995 में आपने बड़े भाई श्री दीनदयाल गुप्ता के आदेश पर दिल्ली आकर परिवार द्वारा संचालित डॉलर कंपनी को जॉइन किया। आपका पुत्र प्रवीण गुप्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई करके आपके साथ डॉलर कंपनी को आगे बढ़ाने में कार्यरत है। 1992 में रामनवमी के दिन पिता जी का स्वर्गवास हुआ था, तब से उनकी याद में हर वर्ष मानहेरू गांव में एक बड़े उत्सव का आयोजन किया जाता है । आपने अपने गांव के सैकड़ो लोगों को अपनी डॉलर कंपनी में रोजगार दिया हुआ है। आपके परिवार ने मानहेरू गांव में कन्या पाठशाला का निर्माण करवाया है। गांव में 2 कूओं का निर्माण और स्टेशन पर भी जल व्यवस्था का कार्य किया है। गांव के सरकारी स्कूल में 7 कमरों का निर्माण किया है। भिवानी में वनवासी कल्याण आश्रम के छात्रावास में आपका बहुत सहयोग रहता है। मैं भिवानी परिवार के आजीवन सदस्य श्री प्रमोद गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

सम्पादकीय

जगत नारायण भारद्वाज

जब किसी घर में कोई भाग्यशाली जन्म लेता है तो घर की कई पीढ़ियों का कल्याण हो जाता है। इसी प्रकार भिवानी में उस समय एक पुण्यात्मा ने जन्म लिया जिसने अपने कुल के साथ-साथ भिवानी का भी भाग्योदय कर दिया। ऐसे महापुरुष का नाम है सेठ नन्द राम। इनके पूर्वज पपरुन (खेतड़ी) से कभी कलानौर आए थे। एक दिन सेठ तीर्थ राम प्रातः सैर करने जा रहे थे। रास्ते में कुछ मुस्लिम एक गाय को वध करने के लिए ले जा रहे थे। उस गाय की दुर्दशा को सेठ देख नहीं पा रहे थे। वे गाय को छुड़ाने के लिए मुंह मांगे दाम देने को तैयार थे, परन्तु वे कसाई माने नहीं। तब क्रोध में आकर तीर्थराम ने चार कसाइयों को मार दिया और बाकी कसाई भाग खड़े हुए। उस समय कलानौर में अलीबख्स का शासन था जो कट्टर मुसलमान था। उसने हुक्म दिया कि तीर्थराम को परिवार समेत कत्ल कर दिया जाए। उनकी एक गर्भवती पुत्रवधू किसी प्रकार से बचकर भिवानी के हालुवास ग्राम में आ गई। उनके रूपराम नाम का बालक हुआ। कालांतर में रूपराम भिवानी आकर व्यापार करने लगे। इन्हीं रूपराम जी के भीमराज, सेवाराम व नन्दराम तीन पुत्र हुए। बड़े भाई शांत प्रकृति के व सेवाराम का स्वभाव राजसी होने के कारण उनकी नंदराम जी के साथ हमेशा खटपट रहती थी। गुणों में नंदराम सबसे बढ़कर थे। अगर बचपन की दुश्मनी का यदि इलाज न किया जाए तो कौरव पांडव की तरह भाई भाई का दुश्मन हो जाता है। जो हो इनका एक दूसरे के प्रति विरोध था जो बढ़ता ही गया। लाला नंदराम जी का जन्म सन 1740 में हुआ था। शास्त्रों का कथन है कि अवतार के साथ विभूति व भाग्यवान के साथ लक्ष्मी आती है। नंदराम जी के जन्म के बाद उनके पिता की आय दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी। वे जिस भी काम में हाथ डालते वही फलता फूलता। उन्हें किसी ब्राह्मण ने बताया कि आप अपनी आय का दसवां हिस्सा पुण्य में लगाते रहना। उन्होंने ऐसा करते हुए अपने प्रतापी पुत्रों को भी यह बात सिखादी। सेठ रूपराम अपने व्यापार में शुचिता रखते थे। किसी प्रकार का छल कपट उनके जीवन में नहीं था इसीलिए उनकी चलती बहुत थी। उनकी स्मरणशक्ति अद्भुत थी, इसलिए वे कोई बही खाता नहीं रखते थे। सन् 1725 में रूपराम भिवानी आ गए थे और सन् 1776 में उन्होंने पानी की कमी को देखते हुए एक कुआं बनवाया। ऐसा माना जाता है कि वह भिवानी का प्रथम कुआं था। वह कुआं आज भी उनकी पुण्य स्मृति कराता रहता है। उस समय नंदराम ने भी काम लगभग संभाल लिया था। सेठ रूपराम की मृत्यु के बाद नंदराम जी का व्यापार और भी अधिक चमकने लगा। तीनों भाई अपने पिता के सामने ही अलग हो गए थे।

नंदराम जी ने अपने रहने के लिए एक पांच मंजिला हवेली बनवाई व उनके बड़े भाई भीमराज ने भी इनके पास एक छोटी हवेली बनवाई। भिवानी की यह पहली हवेली थी। इसीलिए नंदराम के वंशजों का नाम हवेलीवाला पड़ गया व भीमराज का नाम छोटी हवेलीवाला।

क्रमशः

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्री श्याम सुंदर अग्रवाल
7 दिसम्बर 2020

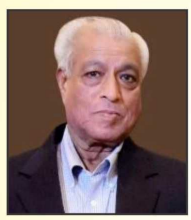

श्री नत्थू राम (गोटेवाले)
7 दिसम्बर 2020

श्री जयभगवान अग्रवाल
8 दिसम्बर 2020

श्री पवन कुमार जैन
8 दिसम्बर 2020

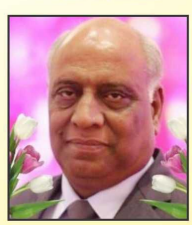

श्री विनोद चौधरी
22 दिसम्बर 2020

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री अनिल कुमार अग्रवाल
(संरक्षक सदस्य)
1 जनवरी

श्री राकेश अग्रवाल
(संरक्षक सदस्य)
3 जनवरी

श्री एन आर जैन
(कार्यकारिणी सदस्य)
5 जनवरी

श्री सुधाकर गुप्ता
संरक्षक सदस्य
7 जनवरी

श्री संजय जैन
(संरक्षक सदस्य)
8 जनवरी

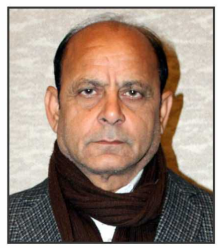

श्री सुशिल गनोत्रा
(कार्यकारिणी सदस्य)
9 जनवरी

श्री विजय गोयल (खर्किया)
(संरक्षक सदस्य)
12 जनवरी

श्री सांवरमल गोयल
(कार्यकारिणी सदस्य)
15 जनवरी

श्री त्रिलोक शर्मा
(संरक्षक सदस्य)
20 जनवरी

श्री संजय गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
21 जनवरी

श्री रणवीर सिंह
(गौरव अवार्डी)
26 जनवरी

श्री शेर सिंह आर्य
(गौरव अवार्डी)
26 जनवरी

श्री कृष्ण कुमार गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
26 जनवरी

श्री जगदीश राय गोयल
(संरक्षक सदस्य)
27 जनवरी

श्री मोहन लाल बलेश्रा
(भिवानी गौरव)
31 जनवरी

श्रीमती मीना गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
31 जनवरी

जय माँ देवसर वाली

माँ देवसर वाली हरियाणा में भिवानी से 8 किलोमीटर की दूरी पर गाँव देवसर में पर्वत पर विराजमान है। माँ ने कई वर्ष पूर्व एक बंजारे को स्वप्न में दर्शन दे कर देवसर पर्वत पर अपनी प्रतिमा छिपी होने का स्थान बताया एवं बंजारे के हाथों से ही देवसर पर्वत पर अपना मंदिर बनाने की बात कही। अब माँ के गुणगान एवं मंगल पाठ पूरे भारत वर्ष में होने लगे हैं, देवसर गांव अब देवसर धाम के नाम से पूरे भारत वर्ष में प्रसिद्ध हो गया है। जो भी भक्त माँ को सच्चे मन से याद करता है माँ उसकी जरूर सुनती है। माँ के दरबार में वर्षों से अखंड ज्योति जल रही है। वर्ष के दोनों नवरात्रों में देवसर धाम में मेला भरता है एवं पूरे भारत वर्ष से माँ के भक्त अपनी हाजिरी लगाने माँ के द्वार देवसर धाम आते हैं। देवसर धाम मेंभक्तों के रहने की उत्तम व्यवस्था है।

जय हो माँ देवसरवाली की

हमें आप सभी को सूचित करते हुए बहुत ही प्रसन्नता हो रही है की दिल्ली में माँ देवसर परिवार का गठन किया गया है इस परिवार में माँ देवसर वाली को मानने वाले परिवार को सम्मिलित किया जायेगा, जो परिवार माँ देवसर वाली को मानते है वह नीचे दिए गए नम्बर पर संपर्क कर सकते हैं। परिवार के गठन के पश्चात एवं कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निजात पाने के पश्चात माँ का भव्य मंगल पाठ करवाने पर भी विचार किया जा रहा है ।

माँ का मंगल पाठ पूरे भारत में अनेक शहरों तथा गावो में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ करवाया जाने लगा है ।

आपको जान कर और भी प्रसन्नता होगी माँ के एक विशाल ग्रुप माँ देवसर परिवार महा संघ (भारत) की स्थापना भी हो चुकी है इस महासंघ में पूरे भारत एवं भारत से बाहर रहने वाले माँ के भक्तों को जोड़ा जा रहा है एवं देवसर धाम में एक विशाल भवन निर्माण पर विचार किया जा रहा है। महा संघ की तरफ से देवसर धाम में हर महीने माँ को भोग (सवामणी) लगाने का कार्य 2 नवम्बर 2020 से शुरू कर दिया गया है। आने वाले समय मेंमहा संघ भिवानी से देवसर धाम पैदल निशान यात्रा एवं देवसर धाम में विशाल भंडारे का आयोजन करने पर भी महासंघ द्वारा विचार किया जा रहा है ।

संपर्क : दिल्ली, 09811101303, विजय अग्रवाल, पीतमपुरा, दिल्ली

जो लौट के घर ना आए

देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीद परिवारों को कभी उचित सम्मान दे पाएंगे क्या हम उनके बारे में कुछ सोचेंगे जो लौट के घर ना आए? इतिहास साक्षी है इस अमूल्य आजादी के लिए कितने वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। कितनी माताओं की गोद कितने घरों के चिराग कितनी बहनों के सुहाग कितने बच्चों के सिर से साया उठा तब कहीं हम आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं। आज हम ऋणी है उन वीर शहीदों के जिन्होंने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यपथ पर प्राणों की आहुति दी। पिछले दिनों जय हिंद मंच के एक कार्यक्रम में मुझे मुख्य अतिथि के तौर पर शहीद के गांव में उनकी स्मृति में शांति यज्ञ के अवसर पर आमंत्रित किया गया। उनका चित्र उनके पुश्तैनी गांव मीठीमतानी राजस्थान बॉर्डर पर भिवानी जिले में लगाया जो सूबेदार देश की रक्षा करते हुए सरहद पर शहीद हो गए थे उनके स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मन उद्वेलित हो गया। साथ ही एक विचित्र गौरव का रोमांच हो आया। धन्य है ऐसी वीर नारी जिसका पति अनजान देशवासियों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर देता है। इसी प्रकार कारगिल में शहीद हुए सुरेंद्र जी की श्रद्धांजलि सभा में उनके गांव गए। शहीद अपनी माटी का फर्ज निभाते हुए वीरता की मिसाल कायम कर प्राणों की आहुति देते हैं जिनकी वजह से हम अपने घरों में चैन से सोते हैं जो रात दिन सर्दी गर्मी सरहदों की सुरक्षा करते हैं। उनके परिवारों के प्रति हमारा क्या कोई कर्तव्य नहीं? जो अखबार की बस एक पंक्ति की खबर बनकर रह जाते हैं। बुद्धिजीवी हो या फिर देश की सुरक्षा पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले नेता उच्च वर्ग के नुमाइंदे या उद्योगपति कारगिल शहीद सुरेंद्र की पत्नी का दर्द कभी न जान पाएंगे जिनकी गोद में 1 वर्ष का नन्हा बालक और 3 वर्ष की बेटी थी। ऐसी परिस्थितियों में भिवानी परिवार मैत्री संघ के मुखिया अंतर्राष्ट्रीय कवि श्री राजेश जी चेतन मुझसे कहा सुरेश भाई अबकी बार हम शहीदी दिवस पर जितना हो सके उतने शहीदों के परिजनों को बुलाकर सम्मानित करेंगे और शहीदों को याद करेंगे। जैसा कि हम पहले भी कई बार कर चुके हैं। मेरा मन हर्षित प्रफुल्लित और गदगद हो उठा आज भी कुछ ऐसे बड़े व्यक्तित्व हैं जो उनको याद करने की सोचते हैं जो लौट के घर ना आए। सेना में फ्रंट पर लड़ने वाले सिपाही भारत के दूरदराज गांवों व पिछड़े इलाकों में दबे कुचले गरीब वर्ग से आते हैं जिनके पास ना खेती के लिए जमीन होती और ना ही रोजगार का कोई अन्य साधन वस्तुत: सीमा पर आतंकी झड़पों में शहीद होने वाले परिवार जब सामने आते हैं तो ज्ञात होता है कि वे हरियाणा के लोहारू या इटावा के किसी गांव या मध्य प्रदेश, बिहार के सुदूर इलाकों के गुमनाम गांव का सैनिक था इसलिए आपका और हमारा सब का फर्ज बनता है कि देश पर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर और उसके परिवार को उचित सम्मान दें और उनको पहचान जरूर मिलनी चाहिए।

लेखक : श्री सुरेश शर्मा जी
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष,
जय हिंद मंच

नारी शक्ति की अद्भुत मिसाल है 'नीतू रानी'

शिक्षित होने की दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र सेवा की भावना-यदि दोनों का संगम एक साथ एक व्यक्ति में हो तो यकीनन वह एक श्रेष्ठ नागरिक बनता है। इसी विचारधारा को अपना लक्ष्य बना, भिवानी के पुलिस विभाग में आज ए.एस.आई. के पद को सुशोभित कर रही है श्रीमती नीतू रानी। एक साधारण से परिवार में जन्मी श्री बृजलाल जी की सुपुत्री नीतू को 12वीं की परीक्षा पास करते ही पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के पद पर चयनित होने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ। पूरे परिवार को संभालने की जिम्मेदारी के साथ-साथ अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के जज्बे के साथ शुरू हुआ जिंदगी से जूझने का सफर। समाज में महिलाओं की स्थिति उनसे जुड़े मुद्दे और उनकी मन: स्थिति को समझने के लिए आवश्यक था, कि अपनी शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाया जाए ताकि अपनी जिम्मेदारी को और प्रभावी ढंग से निभाया जा सके,यही कारण था कि नौकरी के साथ-साथ इन्होंने राजनीति शास्त्र में एम.ए. की डिग्री हासिल की। आज पुलिस विभाग को दिए 17 सालों के साथ-साथ नीतू रानी ने अपने परिवार, अपने भाई-बहन और अपने बच्चों को बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ संभाला और शिक्षित किया है। नारी शक्ति की अद्भुत मिसाल नीतू रानी ने कर्तव्यपरायणता को अपना आदर्श मान अपने नाम को मेहनती, कर्मठ, साधारण और सरल व्यक्तित्व की संज्ञा से सुशोभित करवाया है। महिलाओं के प्रति संवेदनशील नीतू रानी ने दहेज व बलात्कार से संबंधित मुद्दों को बड़ी गंभीरता से उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर उन्हें निपटाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। इसी के साथ चोरी, डकैती तथा कोर्ट केस के मामलों में उच्च अधिकारियों द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनकी निष्पक्ष कार्यशैली को बताता है। पद चाहे कोई भी हो, पद को अपने नाम से बड़ा बनाने वाली नीतू रानी आज पुलिस विभाग, भिवानी का एक जाना पहचाना नाम है। उनकी अनुशासित कार्यशैली स्वच्छ छवि और उनकी कर्तव्यनिष्ठा पर पुलिस विभाग और छोटी काशी भिवानी के लोग उन्हें सैल्यूट करते हैं।

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

व्रत त्यौहार जनवरी 2021

लोहड़ी पर्व - सोमवार, 13 जनवरी
संकष्टी चतुर्थी (सकट चौथ)-सोमवार, 13 जनवरी
मकर संक्रान्ति-मंगलवार,14 जनवरी
मौनी अमावस्या-शुक्रवार, 24 जनवरी
वसंत पंचमी-गुरुवार, 30 जनवरी

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।

वार्षिक चिंतन बैठक एवं भिवानी गौरव सम्मान 2020

पंडित नेकी राम शर्मा राष्ट्र सेवा सम्मान शहीद स्मृति सभा के संस्थापक अध्यक्ष भागीरथ शर्मा को दिया गया। चौधरी बंसीलाल सम्मान लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास के लिए प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. धनपत राम अग्रवाल को दिया गया। पंडित गोपाल कृष्ण संगीत कला एवं गायन के क्षेत्र का सम्मान सुश्री मंजीत मरवाहा को दिया गया। शिक्षा क्षेत्र के श्री राम कृष्ण गुप्ता सम्मान से कुलपति डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत को नवाजा गया। समाजसेवा के लिए श्री फकीर चंद सेवा सम्मान योगाश्रम की संचालिका महाराज कृष्णानंद सरस्वती की प्रतिनिधि साध्वी मुक्ता को दिया गया।

पत्रकारिता के लिए बाबू बनारसीदास सम्मान वरिष्ठ पत्रकार ईश्वर धामू को दिया गया। साहित्य क्षेत्र के पंडित माधव मिश्र सम्मान से उपन्यासकार जे. के. वर्मा को अलंकृत गया। खेल क्षेत्र का श्री सुरजीत सिंह सम्मान जोगीवाला मन्दिर के महंत व अखाड़ा के संचालक बाबा वेदनाथ प्रतिनिधि प्रदीपनाथ को दिया गया। इसके अलावा नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान प्रसिद्ध चित्रकार वंदना को दिया गया । पुष्पेंद्र गोयल परिवार से तुषार गोयल और सुमाक्षी गोयल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन प्रमोद शर्मा द्वारा किया गया। समारोह में भिवानी से समाज सेवी नंदकिशोर अग्रवाल, जगत नारायण भारद्वाज, बुद्धदेव आर्य, बलदेव शर्मा, जगदीश मित्तल, नरेंद्रजीत सिंह रावल, सुरेश बिंदल, अनिल अग्रवंशी, संजय जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मैत्री संघ के वरिष्ठ सदस्यों नवल किशोर गोयल, महासचिव दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष सांवरमल गोयल, सोनोटेक के हंसराज रल्हन, पूजा जैन, पंकज गुप्ता, सुशील गनोत्रा, मनीष गोयल, विनय सिंघल, पवन मोडा, एन.आर. जैन, सुरेश शर्मा, नवीन जयहिंद बापोडिया व गोविंद राम बंसल का विशेष योगदान रहा।

भिवानी गौरव सम्मान 2020

डॉ. धनपत राम अग्रवाल
(बुसान : कोलकाता)

चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

खेल, साहित्य, राजनीति, संगीत, कला के क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम विकास और लोक प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रो में भिवानी की छवि देखी जा सकती है। आर्थिक जगत में डॉ. धनपत राम अग्रवाल ने भिवानी का परचम देश और विदेश में लहराया है।

आपका जन्म 13 जनवरी 1959 को हुआ। उच्च शिक्षा के लिये आपने कोलकाता को अपना मुकाम बनाया। सेंट जेवियर कालेज से कामर्स में आनर्स के साथ स्नातक किया। कोलकता यूनीवर्सिटी से कानून की शिक्षा ग्रहण की । तत्पश्चात भारतीय चार्टेड संस्थान से सी.ए. करने के पश्चात अर्थशास्त्र में पीएच.डी. की ।

सन 1982 से आप चार्टर्ड एकाउंटेंट की प्रेक्टिस कर रहे हैं और भारतीय चार्टेड एकाउंटेंट संस्थान के फेलो सदस्य हैं। आप विदेश व्यापार संस्थान, एंड्रयु यूल एंड कम्पनी लिमिटेड, टी.सी.आई जैसे अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं और संगठनों के निदेशक रहे हैं । आर्थिक मुद्दों के प्रबुद्ध मंडल स्वदेशी जागरण मंच के आप राष्ट्रीय सह-संयोजक रह चुके है। आप सिक्किम मनीपाल विश्वविद्यालय की गवर्निंग बाडी के सदस्य रह चुके हैं। आप विश्व व्यापार संगठन (WTO), अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड स्टडीज, बौद्धिक सम्पदा यानी इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स, टेक्नोलोजी आदान-प्रदान, वित्त एवं टैक्स सम्बंधी अनेक विषयों के विशेषज्ञ हैं । आप इंटरनेशनल ट्रेडमार्क एसोसिएशन, अमेरिकन इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी ला एसोसिएशन, लाइसेंसिंग एक्जेक्यूटिव सोसायटी, फेडेरल सर्किट बार एसोसिएशन, पी. एच. डी. चेम्बर आफ कामर्स, एसोचेम, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी आनर्स एसोसिएशन इत्यादि अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सक्रिय सदस्य हैं। आपने नैरोबी, हाँग-कांग, शंघाई, अमेरिका, जेनेवा, कुआलालमपुर, मारीशस, फिनलैंड में अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया ।

अनेक राष्ट्रीय सम्मेलनों में आपने अध्यक्षता की है। समय-समय पर प्रतिष्ठित पत्र- पत्रिकाओं, जर्नल्स में आपके आलेख और शोध पत्र प्रकाशित होते रहते हैं। आपने दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का लेखन स्वतंत्र रूप में तथा तीन पुस्तकों का लेखन संयुक्त रूप से किया है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक टेलीविजन चैनलों पर आप महत्वपूर्ण आर्थिक विषयों पर चर्चा करते है तथा दर्शकों का मार्गदर्शन करते हैं। विभिन्न सेमीनार, मंचों के माध्यम से आपने वित्त सम्बंधी विषयों पर मुख्य वक्ता के रूप में उल्लेखनीय व्याख्यान दिये हैं । बौद्धिक सम्पदा अधिकार (IPR) विषय पर आपके अनेक आलेख और शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं तथा प्रस्तुतियां हुई हैं।

आपकी हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला तथा नेपाली भाषा पर पूरी कमान है । आप एक मिलनसार, विनम्र और सहयोगी व्यक्तित्व हैं जिसकी मुख्य विशेषता जरूरतमंदों की सहायता करना है।

सम्प्रति आप ITAG बिजनेस साल्यूशन लिमिटेड के निदेशक हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

श्री ईश्वर धामु
(भिवानी)

बाबू बनारसीदास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है। आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया, दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है श्री ईश्वर धामु ने।

आपका जन्म 13 मई 1952 को श्री मांगे राम जी के घर हुआ । आपको हरियाणा में हिंदी पत्रकारिता का 44 साल का अनुभव है ।

आपने सन 1976 में भिवानी से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक विश्व कल्याण से पत्रकारिता यात्रा की शुरुआत की । सन 1984 से 1990 तक आप भिवानी से दैनिक हिंदुस्तान, दैनिक जागरण, दैनिक ट्रिब्यून, पंजाब केसरी, वीर अर्जुन के किये संवाददाता रहे । तत्पश्चात आप सन 1996 तक रोहतक, हिसार, करनाल और भिवानी से दैनिक उत्तम हिंदू, अक्षर भारत, दैनिक जनसंदेश के लिये कार्यालय संवाददाता रहे। अप्रैल 1996 से दैनिक कुबेर टाइम्स के लिये चंडीगढ से विशेष संवाददाता और 1997 से दैनिक कुबेर टाइम्स के लिये हिसार से विशेष संवाददाता रहे। जनवरी 1998 से 2004 तक रोहतक और भिवानी में दैनिक हरि भूमि के ब्यूरो प्रमुख रहे । नवम्बर 2005 से 2007 तक करनाल में पंजाबी दैनिक रोजाना स्पोक्समैन के लिये प्रदेश प्रमुख रहे। सन 2008 से 2012 तक चंडीगढ में दैनिक उत्तम हिंदू, प्रथम इम्पैक्ट, देशबंधु के लिये प्रदेश प्रमुख एवं राजनीतिक संवाददाता रहे ।

पत्रकारिता में हरियाणा की राजनीति पर गत 23 वर्षों से आप लेखन कर रहे हैं । हिसार दूरदर्शन पर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला और श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का स्टुडियो मे प्रथम साक्षात्कार का विशेष अनुभव रहा । भिवानी में सन 2005 में आई बाढ पर बने लघु चित्र **पानी का अभिशाप** का निर्देशन किया। करनाल जिले के विकास कार्यों पर बने वृत्त चित्र **समृद्धि की ओर** का निर्माण किया। हरियाणा की संस्कृति पर बने धारावाहिक **चलो हरियाणा** का निर्देशन किया।

सन 2006 में कन्या भ्रूण हत्या पर बनी हरियाणा की टेली फिल्म **कमला** का निर्देशन किया ।

आपके अनेक पुस्तको का सम्पादन किया है । आप चुनाव प्रबंधन पर पुस्तक लेखन कार्य में व्यस्त हैं ।

सम्प्रति आप भिवानी से भारत की अग्रणी संवाद समिति यूनिवार्ता (यू.एन.आई) के लिये समाचार प्रेषण करते है तथा यमुनानगर से प्रकाशित दैनिक रणजय भारत सेकुलर के लिये विशेष संवाददाता हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत
(केरल-भिवानी : मुरथल)

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है। प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं । थिरुवेगापुरा (केरल) में जन्में डॉ. अनायत एक भारतीय शोधकर्ता, शिक्षाविद् और सलाहकार हैं जिनके पास ग्लोबल ग्राफिक्स आर्ट्स इंडस्टरी में परिणाम आधारित शोध, परामर्श और प्रशिक्षण में दो दशक से अधिक का अनुभव है। काफी समय तक जिला भिवानी आपकी कर्मभूमि रही । आपको अपने शिक्षक होने पर गर्व है । मुद्रण और मीडिया विज्ञान के प्रति एक अगाध प्रेम के साथ-साथ शिक्षण के प्रति गहरा जुनून है। 22 फरवरी, 2020 को भारत सरकार ने आपको मानद कर्नल की उपाधि से विभूषित किया तथा एन.सी.सी. (PHHP & C-Directorate) में कर्नल कमांडेंट नियुक्त किया । आप नए औद्योगिक अभिसरण सिद्धांत (New Industrial Convergence Theory) के समर्थक है और आपने शिक्षा, अनुसंधान, सेमिनार, सम्मेलन और टाई-अप के सिलसिले में दुनिया भर में यात्रा की है।

आपने देश-विदेश में कई उद्योगों, शीर्ष विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया है। आप प्रिंट और मीडिया प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक उच्च प्रतिष्ठित शोधकर्ता और शिक्षाविद हैं । वैश्विक ग्राफिक कला में अमूल्य योगदान के आधार पर 'प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज आफ अमेरिका' ने सन 2011 में अपने सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'ग्लोबल अकेडमिक एक्सेलेंस अवार्ड' से आपको सम्मानित किया। इसे प्रिंटिंग का 'आस्कर' भी कहा जाता है ।

सन 2013 में भारतीय प्रिंटर्स की शीर्ष संस्था AIFMP ने आपको 'सम्मान अवार्ड' से अलंकृत किया तथा सन 2017 में 'प्रिंट एक्सेलेंस अवार्ड' से नवाजा।

टेक्निक यूनीवर्सिटी, केमिंट्ज के आप विजिटिंग स्कॉलर और जगरेब यूनीवर्सिटी के आप अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेसर रहे हैं। क्रोएशिया अकेडमी आफ इंजीनीयरिंग ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय सदस्यता प्रदान की । एनालिटीकल साइंटिस्ट की भारतीय संस्था ने सन 2015 में आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया ग्लोबल आर्ट्स इंडस्ट्री और शिक्षा के क्षेत्र में आपके अमूल्य योगदान के लिये इंग्लैंड की डायर्स और कलरिस्ट सोसायटी ने आपको सिल्वर मेडल से नवाजा। आपके नेतृत्व में अनेक छात्रों ने पी.एच.डी. की है। आप ब्यूरो आफ इंडियन स्टेंडर्ड से सक्रिय रूप में जुडे हैं। आप टी.आई.टी. कालेज भिवानी के निदेशक के रूप में अपनी सेवाये दे चुके हैं ।

सम्प्रति आप दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

श्री जे.के. वर्मा
(भिवानी)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है ।
प्रख्यात लेखक, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, इतिहासकार, जासूसी उपन्यासकार एवं विश्लेषक श्री जे.के.वर्मा मूल रूप से भिवानी शहर के निवासी हैं। शिक्षा, कैरियर एवं रोजगार मार्गदर्शन के क्षेत्र में आप जाने-माने हस्ताक्षर हैं। आपने विभिन्न विषयों पर अभी तक लगभग 190 पुस्तकों की रचना, व्याख्या, अनुवाद एवं सरलीकरण किया है। स्वतंत्र लेखक के तौर पर आपकी स्पष्ट लेखन शैली, अद्भुत संवाद क्षमता व अमूल्य परामर्श देने की कला ने आपको एक खास मुकाम पर पहुंचाया है। श्री वर्मा को बचपन से ही लिखने का शौक रहा। स्कूल-कॉलेज की पत्रिकाओं व विभिन्न समाचार-पत्रों में आपकी अनेक कहानियां एवं लेख प्रकाशित हुए। लेकिन आपके लेखन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान वर्ष 1989 में तब मिलीए जब दिल्ली के जाने-माने प्रकाशन राजा पॉकेट बुक्स में आपके जासूसी उपन्यासों का प्रकाशन शुरू हुआ। बचपन में अत्यंत फुर्तीले होने के कारण आपके दोस्त व परिवार के सदस्य आपको टाइगर कहकर बुलाते थे, इसलिए आपने अपने उपन्यास इसी नाम से ही लिखे। आपने अभी तक 92 उपन्यास लिखे हैं जिन्होंने पूरे भारतवर्ष में इनकी पहचान एक स्थापित लेखक के तौर पर बनाई।
उपन्यासों के साथ-साथ जनरल बुक्स की दुनिया में भी श्री वर्मा ने पूरे भारत वर्ष में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी एक खास पहचान बनाई। आपकी दर्जनों पुस्तकों का अंग्रेजी अनुवाद भी प्रकाशित हुआ। सही निर्णय सही साधनत्रपूर्ण सफलता, जोश-जुनून टीमत्र नेटवर्क मार्केटिंग, टाइम मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स, मनी मैनेजमेंट के टॉप सीक्रेट्स, पॉजीटिव थिंकिंग के 51 टॉप सीक्रेट्स, सफल बिजनेसमैन बनने के टॉप सीक्रेट्स, महिलाएं समझें अपने कानूनी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा का अधिकार, 100 प्रतिशत सफलता पाने के 15 टॉप सीक्रेट्स, बच्चों की परवरिश करने के 21 टॉप सीक्रेट्स, सफल पेरेटिंग के 41 टॉप सीक्रेट्स जैसी पुस्तकों ने तो आपको बेस्ट सेलिंग राइटर की श्रेणी में ला खड़ा किया। बाजार की डिमांड पर तीखी नजर रखने वाले श्री वर्मा ने सिंगल मदर, सरोगेट मदर व लिव इन रिलेशनशिप व कामसूत्र जैसे विषयों पर भी पुस्तकें लिखीं। इसके अलावा देश भर के महान स्वतंत्रता सेनानियों, धर्मगुरुओं व महापुरुषों के जीवन चरित्र पर भी आपने अनेक पुस्तकें लिखी हैं।
लगभग 10 वर्ष तक श्री वर्मा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी खूब नाम कमाया। दैनिक भास्कर में आपने बतौर उप संपादक, क्राइम रिपोर्टर व ब्यूरो चीफ काम किया। वर्ष 2013 में आपने जे.के. साहित्य ट्रस्ट की स्थापना की, जिसके माध्यम से पूर्व मंत्री रामभजन अग्रवाल व दानवीर चौ. छाजूराम जैसे महान लोगों के जीवन चरित्र प्रकाशित करवाए गए। वर्ष 2014 में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा आपको श्रेष्ठ कृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा ने जब विभिन्न शिक्षण व तकनीकी संस्थानों में अपना प्रेजेंटेशन दिया, तो श्री वर्मा की पुस्तकों का विशेष तौर पर उल्लेख किया। उन्होंने जी.टी.वी. पर प्रसारित अपने कार्यक्रम 'द सुभाष चंद्रा शो' में अनेक बार कहा कि अगर मैं श्री वर्मा की पुस्तकों को न पढ़ता तो जीवन में बहुत कुछ खो देता।
श्री वर्मा का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा यही कामना करते हैं कि आपकी लेखनी अनवरत चलती रहे। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

सुश्री मंजीत मरवाहा
(भिवानी : दिल्ली)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान (संगीत)

भिवानी जिले के निवासियों ने लगभग हर क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाई है। संगीत के क्षितिज पर एक चमकते सितारे के रूप में विद्यमान हैं सुश्री मंजीत मरवाहा। आपका जन्म 3 सितम्बर 1952 को भिवानी में श्री कर्म सिंह मारवाह के घर हुआ ।
आपकी शिक्षा बहुआयामी रही है । सन 1972 में बी.एस.सी. करने के पश्चात आपने 1974 में एम.एससी तथा तत्पश्चात 1975 में बी.एड. की शिक्षा पूर्ण की । सन् 1977 में पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक करने के बाद संगीत में रुचि जागृत हुई जो समय के साथ-साथ विस्तरित हुई जिसके फलस्वरूप सन 1980 में आपने प्रयाग संगीत समिति से प्रथम श्रेणी में संगीत प्रभाकर की परीक्षा उत्तीर्ण की । शिक्षा के क्रम को जारी रखते हुए आपने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा कम्प्यूटर विज्ञान में एम.सी.ए. तथा एम फिल भी किया । जन संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रथम श्रेणी मे पास किया। सन् 2011 में उनसठ वर्ष की अवस्था में हिमाचल यूनीवर्सिटी से वोकल म्यूजिक में प्रथम श्रेणी मे एम.ए. किया । आका शिक्षण अभी तक अनवरत जारी है । सन 2018 में आपने IGNOU से आडियो प्रोग्राम प्रोडक्शन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रथम श्रेणी में स्वर्ण पदक के साथ किया ।
आपने सन 1977 से 2012 तक आदर्श महिला महाविद्यालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का दायित्व ब ी बखूबी से निभाया । आपकी रचित कई पुस्तकें पुस्तकालय विज्ञान की शिक्षा के पाठ्यक्रमों में शामिल की गई हैं । आपके अनेक शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं । गीत ए संगीत के क्षेत्र में आपका उल्लेखनीय योगदान रहा है । शास्त्रीय संगीत की शिक्षा बचपन से ही माता.पिता से मिली तथा बाद में पंडित गोपाल कृष्ण जी के शिष्य श्री रंधीर सक्सेना के सान्निध्य में संगीत साधना की । प्रसार भारती रोहतक में आप सुगम संगीत की कलाकार रही हैं। सन 1979.80 का वो क्षण काफी गौरवमय था जब आपने पंडित गोपाल कृष्ण जी के समक्ष प्रस्तुति दी तथा उन्होने स्वयं श्राग पुरिया श् में आपकी संगत की । आपने आध्यात्मिक संगीत की भी शिक्षा ग्रहण की । सम्प्रति आप कैलाश खेर के गुरु श्री आशीष नारायण त्रिपाठी जी से संगीत शिक्षा ले रही हैं । आपने IGNOU के छात्रों को भारतीय शास्त्रीय संगीत का शिक्षण दिया है। प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद के छात्रों को भी आप प्रशिक्षण देती हैं । संगीत के अलावा आप समाज सेवा के अनेक आयोजनों से जुड़ी हैं। रोटरी क्लब से सक्रिय रूप से जुड़ी हैं । आप अनेक आयोजनों में संचालक, गायक, संगीतकार, जज और आयोजक की भूमिका में रही हैं । अनेक मंचों से आपने काव्य पाठ किया तथा आपकी लिखी अनेक कवितायें प्रकाशित हुई हैं । आपका मानना है कि उम्र तो मात्र एक संख्या भर हे है । आपने समाचार वाचक और संचालक का कोर्स भी किया है। आपने अनेक देशों की यात्राएं की है तथा यात्रा वृतांत सुनाने का विशेष अनुभव है । आप व्यक्तित्व मृदुभाषी और मिलनसार है तथा अपने कार्य के प्रति समर्पित है । सम्प्रति आप संगीत के क्षेत्र में नित नये सोपान पर अग्रसर हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

बाबा वेद नाथ
(भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान (खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी के नाम विशेष योगदान रहा है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबानों ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है । भिवानी के देवस्थानों का नाम जब भी आता है तो जोगीवाला मन्दिर का नाम प्रथम पंक्ति में आता है। अनेक सिद्ध महात्माओं ने अपनी तपस्या से इस मन्दिर को पवित्र बनाया है। वर्तमान में बहुमुखी प्रतिभा के धनी महन्त वेद नाथ ने इसकी कायापलट करके भिवानी के नाम को चार चांद लगाए हैं।
आप सोलह वर्ष की आयु में पूज्य बनवारी नाथ जी के साथ भिवानी में आ गए थे। आपकी प्रतिभा को परखकर उन्होंने वेद नाथ जी को अपना उत्तराधिकारी बनाया।आप बचपन से ही खेलों में रुचि रखते थे। विशेष रूप से कुश्ती आपका प्रिय खेल रहा। मन्दिर के संरक्षण व कुश्ती दोनों को समान महत्व देते हुए आपने दोनों की पवित्रता बनाए रखी। जोगीवाला अखाड़ा का नाम धीरे-धीरे भिवानी व आसपास के क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने लगा। महन्त होने के कारण आप ब्रह्मचर्य व अनुशासन प्रिय रहे है । इनके प्रति आपका आग्रह बहुत कठोर है। कोई भी सिद्धांत पहले आप स्वयं पर लागू करते हैं। सन् 1993 से जोगीवाला अखाड़े के पहलवानों ने देश विदेश में कुश्ती जीतकर भिवानी का परचम लहराया। भारतवर्ष के किसी भी नगर में जहां भी कुश्ती हुई वहां महन्त जी के पहलवानों ने अपना दम-खम दिखाकर कोई न कोई पदक अवश्य जीता। इन नगरों व पदकों के नामों की सूची बहुत विस्तृत है। भारत केसरी सुरेन्द्र नाड, विश्व चैंपियन में रजत पदक विजेता मनोज कुमार, कॉमन वेल्थ में स्वर्ण पदक विजेता कृष्ण कुमार, हरियाणा केसरी सुरेन्द्र, बलराज, हवासिंह आदि आपके प्रमुख शिष्य रहे हैं। आपके अखाडे के प्रशिक्षित पहलवान सार्क देशों के अतिरिक्त हिन्द केसरी, भारत कुमार, विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अपना परचम लहरा चुके हैं, जिनकी गणना महन्त जी द्वारा भी कर पाना संभव नहीं है। कुश्ती के विजय चिन्ह गदाएं व अनेक पदक मन्दिर के प्रांगण की शोभा बनी है।
भारतवर्ष में सब प्रकार के सुरक्षा बलों में जोगी वाला अखाड़ा से निकले पहलवान आज भारत माता की सेवा में रत हैं। महन्त जी के अनुशासन की कठोरता को देखते हुए यहां अखाड़े में सेना के अधिकारी अपने अनेक जवानों को अभ्यास करने व नई तकनीक सीखने के लिए भेजते हैं।
महन्त वेद नाथ एक तपस्वी जीवन बिताने वाले साधारण से व्यक्ति दिखाई देने वाले असाधारण प्रतिभा के धनी हैं। अध्यात्म की गहराई को अच्छी तरह से समझने वाले, नासिक में कुम्भ के पश्चात 360 नाथ पंथ के साधुओं के साथ आपने छह महीने की पदयात्रा की, उस यात्रा के आप सर्व सम्मति से प्रमुख महंत चयनित हुए। आपने अनेक तीर्थ यात्राओं के अतिरिक्त परशुराम कुण्ड एवम् कैलाश मानसरोवर की यात्रा भी की है। राष्ट्रप्रेम के भी आप अनूठे सैनिक रहे। रामजन्म भूमि आंदोलन में सक्रिय भाग लेकर आपने एक सच्चे संन्यासी का परिचय दिया था।
भारत के अनेक तीर्थों में आपने आश्रय-स्थल बनवाएं है।
आज भी मौन रहकर गरीब विद्यार्थियों की फीस देना, गो सेवा इत्यादि अनेक पुण्य कार्यों में आप संलग्न रहते है।
आपके अथक परिश्रम ने आज जोगी वाला मन्दिर की कायापलट कर दी है। आज मन्दिर सच्चे अर्थों में एक संस्कार केंद्र बना है। निरन्तर चलने वाला अन्नक्षेत्र व मन्दिर में लगने वाले भंडारे भिवानी ही नहीं अपितु भारत भर में प्रसिद्धि लिए हुए हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

महाराज कृष्णानंद सरस्वती
(भिवानी)

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान
(सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है। तपोभूमि परमहंस योगाश्रम के संस्थापक महाराज कृष्णानंद जी सरस्वती सेवा की जीवंत मूर्ति हैं ।

आपका जन्म पलवल मे हुआ लेकिन सन 1973 में भिवानी आगमन के पश्चात आपकी कर्मभूमि भिवानी बन गयी । प्रारंभ में लगभग 20 वर्षों तक आपने श्रीमती फूलां देवी स्कूल, जहां केवल गरीब कन्याओं को शिक्षा दी जाती है, में अध्यापन किया। सन 1975 में आपने नौकरी छोड़कर पूर्णरूप से संन्यास धारण कर लिया। भिवानी के गणमान्य लोगों ने आपके समर्पण को देखते हुए आपको भिवानी में जमीन देकर आश्रम बनाने का आग्रह किया, तब से आप भिवानी के ही होकर रह गए।

आपने समाज को भ्रूणहत्या की कुरीति दूर करने का प्रयास किया । जब भ्रूणहत्या के रूप में गर्भ में ही कन्याओं को मार दिया जाता था, तब आपने समाज में ढूंढ ढूंढ कर लोगो को कहा कि भ्रूणहत्या न करो, इनका पालन मैं करूंगी । इस अभियान में अनेक कन्याओं को आपने पाला और उनको समाज में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया। इस अभियान में उड़ीसा व बिहार के कुछ लड़कों को भी आपने माता का वात्सल्य दिया है। अनेक गरीब कन्याओं की आप आज भी शादियां कराती हैं। इसके अतिरिक्त आश्रयहीन परिवारों को घर दिलाना या उनका किराया तक देना आपको अच्छा लगता है। एक संन्यासी के रूप में आप समाज में जुड़कर ऐसे ऐसे कल्याण के कार्य करते हैं जो समाज को संस्कारित बनाने के साथ साथ उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाते हैं। भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाए रखने में आपका समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है। गोशाला भी आपके आश्रम द्वारा संचालित है। पूरे वर्ष आप समाज में परिवारों की धार्मिक प्रतियोगिताएं कराती रहती हैं। प्रभात फेरी, वृद्धों को सम्मान, रूद्र महायज्ञ, योग प्राणायाम आदि कार्यक्रम गत तीस वर्षों से निरन्तर चल रहे हैं। आपके शिष्य आज कथावाचन, भजन एवम् सत्संग आदि करते हुए समाज को संस्कारित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आपके द्वारा सेक्टर 13 में राधा मन्दिर, भारत नगर मे निशुल्क शिक्षा हेतु गायत्री विद्या मंदिर, गुरु कृपा चिकित्सालय बलियाली (नि:शुल्क) संचालित है।

आपके विनम्र स्वभाव, निष्काम सेवा भाव, सरल जीवन शैली व प्रेम भाव के कारण आपका चुंबकीय व्यक्तित्व सबको अपनी ओर आकर्षित करता है। आप समाज सेवा के अनेक कार्यों में सक्रिय रूप में समर्पित हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

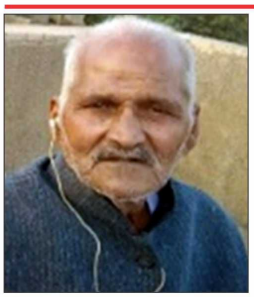

श्री भागीरथ शर्मा
(भिवानी)

पंडित नेकीराम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान
(राष्ट्रसेवा)

जिस समाज और देश ने हमें बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है श्री भागीरथ शर्मा ने। आप बीस वर्ष तक हिंदी साहित्य सम्मेलन के मंत्री रहे हैं । आपका संघ प्रवेश 60 वर्ष का है ।

आपने कई अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन में भागीदारी जिनमें श्रीमती सुषमा स्वराज व बाबू बनारसी दास गुप्ता जी का सान्निध्य रहा। श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय के आप सदस्य कार्यकारिणी हैं । विश्व हिंदू परिषद के मंत्री के रूप में निरन्तर चौदह वर्षों तक पूरे जिले के गांव-गांव में शिला पूजन कराया। दुर्भिक्ष के समय 2500 गायों की अस्थाई गौशाला की स्थापना करते हुए देखभाल की। रामजन्म भूमि आंदोलन में हरदोई जेल में बन्द हुए। वनवासी कल्याण आश्रम के प्रथम बेच के वनवासी बच्चों को कई स्थानों का भ्रमण कराया। दस दिनों तक वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता में बोरीवली बंबई लेकर गए वहां आश्रम के संस्थापक श्री देशपांडे जी का सान्निध्य रहा। वहीं मिल्खा सिंह जी से भी मिले।

सन 1975 में शहीद स्मृति सभा की स्थापना की तथा इसके तत्वावधान में अनेक विभूतियों को आमंत्रित करके उन्हें सम्मानित किया। जिनमें प्रमुख नाम इस प्रकार हैं :-

1 राम प्रसाद बिस्मिल की बहन शास्त्री देवी जी।
2 प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी व वैज्ञानिक श्री हंसराज वायरलेस
3 काकोरी काण्ड के सेनानी श्री मनमथ नाथ गुप्त

इनके अतिरिक्त अनेक सामाजिक विभूतियों को भी सम्मानित किया, जिनमें प्रमुख हैं- 1 डॉक्टर अमृत सिंगल 2 डॉक्टर रमेश गेरा 3 डॉक्टर शिवकांत 4 श्री महावीर प्रसाद मधुप 5 पुण्यम चन्द मानव 6 जयनाथ नलिन 7 शिशुपाल सिंह निर्धन 8 सोम ठाकुर 9 ओमपाल सिंह निडर। इसके अलावा आपने जिनके साथ साक्षात्कार किया उनमें सेनानी दुर्गा भाभी, अमर शहीद सुखदेव की बहन श्रीमती कृष्णा थापर, सेनानी लेखराज शर्मा, अमर शहीद भगत सिंह के पौत्र बाबर सिंह व प्रपौत्र यादवेंद्र सिंह प्रमुख हैं । आपने राजगुरु नगर जाकर शहीद राजगुरु की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। आपने सैकड़ों कवि सम्मेलन आयोजित किए तथा सहभागिता की। राष्ट्रप्रेम का ही आपके जीवन का प्रमुख लक्ष्य है। सम्प्रति आप समाज सेवा के विभिन्न आयोजनों में सक्रिय रूप से जुड़े हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

सुश्री वंदना
(भिवानी : गुरुग्राम)

नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भगनका सम्मान
(ओजस्विनी)

हरियाणा में जन्मी वंदना ने आदर्श महिला महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री के पश्चात नई दिल्ली से अंग्रेजी में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की । मुंबई में रचना संसद में ललित कला और शिल्प अकादमी में डिप्लोमा पूर्ण करने के पश्चात लंदन, ब्रिटेन से ललित कला में अपना MFA पूरा किया है । आपने भारत के नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सहित अनेक स्थानों के साथ साथ यू.के. (लंदन सहित), स्विटज़रलैंड, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड (बैंकाक आर्ट बायनेल 2018) और इटली (वेनिस) में अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

आपको अनेक राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है । किंगस्टन यूनीवर्सिटी लंदन से आपको गोल्ड लेवल किंगस्टन सम्मान मिला है। फाउंडेशन फ्युटुर, स्विटजर्लैंड द्वारा आयोजित 'प्रत्यगति : जर्नी होम' में आपको तृतीय पुरस्कार मिला। किंगस्टन यूनीवर्सिटी और ब्रिटिश काउंसिल से आपको ग्रेट स्कालरशिप सम्मान मिला। समग्र कला के लिये गैलरी श्री आर्ट्स से आपको रचनात्मक कलाकार का सम्मान मिला । रचना संसद मुम्बई ने आपको शोध निबंध एवं कला विकास तथा आर्ट वर्क के लिये सम्मानित किया। आदर्श महिला महाविद्यालय में आपको सर्वश्रेष्ठ कलाकार का सम्मान मिला । आपने राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मान हासिल किये हैं ।

आपकी किंगस्टन यूनीवर्सिटी लंदन में तथा स्विटजर्लैंड में लाइव प्रस्तुति की एकल प्रदर्शनियां हो चुकी हैं । दिल्ली, मुम्बई, कोलकता जैसे स्थानों के अलावा बैंकाक, दक्षिणी कोरिया, स्विटजरलैंड, लंदन के अनेक विश्वविद्यालयों में आपकी सामूहिक प्रदर्शनियां हो चुकी हैं तथा आपके कार्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली तथा सराहा गया। अनेक आर्ट शो में आपकि भव्य प्रस्तुतियां रही । आर्टिस्ट इन रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत आपने स्विटजरलैंड में कला के विभिन्न पहलुओं को बखूबी से अंजाम दिया ।

चाहे धारावी के भित्ति चित्र हो या चौपाटी बीच पर 'वेस्ट से वंडर' की यात्रा हो या लंदन में आपकी चित्रकला का प्रदर्शन हो, आपने हमेशा अपनी कला के माध्यम सेएक अमिट छाप छोड़ी है। आपको अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का विशेष अनुभव है ।

आप योग प्राण विद्या, व्यक्तिगत विकास और सोशल मीडिया के माध्यम से आनलाइन मार्केटिंग में प्रशिक्षण ले चुकी हैं। किंगस्टन यूनीवर्सिटी लंदन मे हाल कनेक्टर ए राष्ट्रीय नागरिक सेवा इंग्लैंड में आर्ट प्रेक्टिशनर ए साइंस इंडिया ट्रस्ट के प्राधिकरण और संचालन निदेशक का अनुभव है। अमेरिकन एम्बेसी स्कूल में आप सेवाएं दे चुकी हैं। अनेक वर्कशाप और आयोजनों में आप वालंटीयर रही है।

सम्प्रति आप कुंस्कैप्कोलन (Kunskappskolan) अंतर्राष्ट्रीय स्कूल, गुरुग्राममें कला अध्यापन के माध्यम से अपनी सेवा दे रही हैं तथा आप एक ई-कामर्स व्यवसायी भी हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भग्गनका ओजस्विनी सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

(www.ebhiwani.com)